बरेली, सोमवार
16 फरवरी, 2026
नगर संस्करण
मूल्य ₹ 7.00
पृष्ठ 12+4=16

दैनिक जागरण

PAGE NO, III, BOTTOM, RIGHT

'दूल्हा भाई' के मंचन ने दर्शकों को गुदगुदाया

जासं, बरेली: हजियापुर स्थित रिद्धिमा में रविवार की शाम हंसी के ठहाकों से गूंज उठी, जब यहां बहुचर्चित हास्य नाटक 'दूल्हा भाई' का मंचन किया गया। नाटक की कहानी एक मध्यमवर्गीय परिवार की है, जहां बेटी के विवाह को लेकर माता-पिता की अलग-अलग योजनाएं भारी मुसीबत बन जाती हैं। कथानक उस समय रोचक मोड़ लेता है, जब पति और पत्नी, एक-दूसरे से छिपाकर, अपनी-अपनी पसंद के लड़कों को बेटी देखने के लिए एक ही समय पर आमंत्रित कर बैठते हैं। जैसे ही दोनों पक्ष के लोग एक साथ घर में आते हैं, मंच पर 'कामेडी आफ एरर्स' (भूल-चूक) का जो सिलसिला शुरू होता है, उसने दर्शकों को पेट पकड़कर हंसने पर मजबूर कर दिया।

विनोद रस्तोगी स्मृति संस्थान, प्रयागराज के कलाकारों ने दूल्हा भाई का मंचन किया। मूल रूप से मराठी भाषा के इस प्रसिद्ध नाटक का हिंदी रूपांतरण गंगाधर परांजपे ने किया। नाटक आगे बढ़ता है, जिसमें अपनी

रिद्धिमा में नाटक मंचन करते कलाकार • सौ. संस्था

गलती और बदइंतजामी को छिपाने के लिए पात्रों की ओर से रचे गए झूठ और बहाने, स्थिति को और भी पेचीदा और हास्यास्पद बना देते हैं। नाटक में दोनों लड़कों (उम्मीदवारों) द्वारा लड़की को रिझाने के प्रयास और उस होड़ में की मूर्खतापूर्ण हरकतें दर्शकों के मनोरंजन का केंद्र रहीं। तमाम उठापटक और गुदगुदाने वाली परिस्थितियों से गुजरते हुए नाटक एक आश्चर्यजनक और सुखद अंत तक पहुंचता है, जहां दूल्हा वही बनता है जिसे किसी ने सोचा भी नहीं था। निर्देशन वरिष्ठ रंगकर्मी अजय मुखर्जी ने किया। कलाकारों में अभिलाष नारायण, निवेदिता दास गुप्ता, आशु, तुषार सौरभ, मधुरिमा बोस, प्रतीक कुमार सिंह, गजेन्द्र यादव, शुभम श्रीवास्तव व उत्कर्ष जायसवाल शामिल रहे। इस दौरान एसआरएमएस ट्रस्ट के संस्थापक देव मूर्ति, आशा मूर्ति, आदित्य मूर्ति, ऋचा मूर्ति, दिशा मूर्ति, सुभाष मेहरा, डा. प्रभाकर गुप्ता आदि रहे।